This question paper contains 3 printed pages.]

7756 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / II **A**

HINDI (हिन्दी)

Group (A) – Bhaktikaleen Kavya

वर्ग (क) – भक्तिकालीन काव्य

Paper 15 – Ram Bhakti Kavya

प्रश्नपत्र 15 – राम भक्ति काव्य

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) राम जू कहाँ गए री माता ?

सूनौ भवन, सिंहासन सूनौ, नाहीं दसरथ ताता।

धृग तव जन्म, जियन धृग तेरौ, कही कपट-मुख बाता।

[P.T.O.

सेवक राज नाथ बन पठए, यह कब लिखी बिधाता।
मुख अरबिंद देखि हम जीवत, ज्यौं चकोर ससि राता॥
सूरदास श्रीरामचंद्र बिनु कहा अजोध्या नाता॥

अथवा 7

जागु जागु जीव जड़। जो है जग-जामिनी।
देह-गेह-नेह जानि जैसे घन-दामिनी॥
सोवत सपनेहुँ सहै संसृति-संताप रे।
बूड यो मृग-बारि, खायो जेवरी को साँप रे॥
कहैं वेद बुध तू तो बुझि मन माहिं रे।
दोष-दुख सपने के जागे ही पै जाहिं रे।
तुलसी जागे ते जाइ ताप तिहूँ ताप रे।
राम-नाम-सुचि-रुचि सहज सुभाय रे॥

(ख) सिंधु तर्‌यो उन को बनरा तुम पै धनुरेख गई न तरी।
बाँदर बाँधत सो न बन्धयो उन बारिधि बाँधि कै बाट करी॥
श्री रघुनाथ प्रताप की बात तुम्हें दसकंठ न जानि परी।
तेलहु तूलहू पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराइ जरी॥

अथवा 7

तोर्‌यौ है पिनाक, नाकपाल बरसत फूल,
सेनापति कीरति बखानै रामचंद की।
लै कै जयमाल, सिय बाल है बिलोकी छवि,
दसरथ लाल के बरन-अरबिंद की॥
परी प्रेम-फंद, उर बाढ्यौ है अनंद अति,

आछी मंद-मंद चाल चलति गयंद की।
बरन कनक बनी, बानक बनक आई,
झनक मनक बेटी जनक नरिंद की॥

2. 'विनय पत्रिका' के आधार पर तुलसीदास की दार्शनिक-चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा 12

तुलसीदास की काव्य-कला का विवेचन कीजिए।

3. 'रामचंद्रिका' के आधार पर केशव की संवाद-योजना के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा 12

सेनापति के राम-काव्य में निहित सौन्दर्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

4. सूरदास के रामकाव्य की प्रमुख विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए सूर की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए।

अथवा 12

सूर के रामकाव्य में चित्रित बिम्ब-विधान की समीक्षा कीजिए।